जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 115
दिनांक 07.07.2023

समेकित कृषि प्रणाली के मॉड्यूल विकसित कर करें कार्य–प्रो. पी.के. मिश्रा
जनेकृविवि में वैज्ञानिक सलाहाकार समिति की 20वीं बैठक संपन्न

जबलपुर 07 जुलाई, 2023। कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा आज दिनांक 06 जुलाई 2023 को वैज्ञानिक सलाहाकार समिति की 20वीं बैठक माननीय कुलपति प्रो. पी.के. मिश्रा जी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने सरस्वती पूजन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. ए.के. सिंह द्वारा केन्द्र द्वारा खरीफ 2022 में किये गये कार्यो की प्रगति प्रतिवेदन तथा खरीफ 2023 की कार्य योजना प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने सुझाव दिये कि कृषि विज्ञान केन्द्र जिले के सभी सम्बंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर तकनीकी हस्तान्तरण के साथ–साथ समेकित कृषि प्रणाली के विभिन्न मॉड्यूल विकसित करें जिसमें संबंधित विभागों को भी सम्मिलित कर कार्य योजना बनायें। साथ ही प्राकृतिक खेती एवं श्री अन्न (मिलेट्स) के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दें एवं कार्ययोजना में भी सम्मिलित करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. डी.पी. शर्मा संचालक विस्तार सेवायें ने की तथा उन्होंने जिले में उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के लिए सम्बंधित विभाग के साथ मिलकर उत्पादन एवं प्रसंस्करण पर कार्य करने की बात कही ताकि किसानों की आय को बढ़ोत्तरी की जा सके। इस अवसर पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सभी सम्मानित सदस्यों द्वारा अपने–अपने सुझाव दिये गये। डॉ. पी. वी. शर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर ने सुझाव दिया कि प्राकृतिक खेती में अन्तरवर्ती फसलों का समावेश करें। निदेश अटारी के प्रतिनिधि डॉ. अजय राउत वरिष्ठ वैज्ञानिक अटारी ने सुझाव दिया कि सोशल मीडिया के अध्ययन के माध्यम से किसानों के समस्याओं एवं उनकी आवश्यकताओं को अध्ययन में समाहित कर समस्यायें चिहिन्नत करते हुये कार्य योजना बनाई जाये।

कार्यक्रम में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.बी. नाहटकर, डॉ. जयन्त भट्ट, डॉ. एस.बी. दास, डॉ. पी.एस. कुल्हाड़े तथा डॉ. एस.एस. शुक्ला सहित वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.बी. अग्रवाल, डॉ. संजय सिंह आदि ने अपने–अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

जिले के अन्य विभागों में उपसंचालक उद्यानिकी डॉ. नेहा पटेल, कृषि विकास विभाग से श्रीमति मनीषा पटेल, कृति टंडन, आत्मा के प्रतिनिधि चेतन, प्रियंका मिश्रा तथा इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आर.के. मिश्रा, राष्ट्रीय बीज निगम से श्री नीरज कुमार, मृदा सर्वेक्षण से डॉ. व्ही.पी. सिंह तथा एफपीओ प्रतिनिधि श्री हरीशंकर तिवारी एवं हेमचन्द असाठी, अशासकीय संस्था से ममता सिंह सहित जिले के प्रगतशील कृषक एवं कृषक महिलायें उपस्थित रहकर अपने–अपने सुझाव दिये। कार्यक्रम का संचालक डॉ. डी.के. सिंह तथा आभार प्रदर्शन डॉ. नितिन सिंघई द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. यतिराज खरे, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. नितिन सिंघई, डॉ. प्रमोद गुप्ता डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. निहारिका शुक्ला, श्रीमति जी.जी. एनी, डॉ. नेहा शर्मा आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।